

जनजातीय गौरव दविस

प्रलिमिस के लयि:

[जनजातीय गौरव दविस](#), [बरिसा मुंडा](#), [संथाल](#), [प्रधानमंत्री जनजातीय आदविसी न्याय महाअभयान](#), [वन धन वकिस केंद्र](#), [वशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह](#), [राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति](#)

मेन्स के लयि:

जनजातीय वकिस पहल, जनजातीय आंदोलन और भारत का स्वतंत्रता संग्राम

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

चर्चा में क्यों?

वशेष रूप से भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मानति करने के क्रम में प्रतविर्ष 15 नवंबर को [जनजातीय गौरव दविस](#) मनाया जाता है।

- यह दनि एक सम्मानति जनजातीय नेता और स्वतंत्रता सेनानी [बरिसा मुंडा](#) की जयंती का प्रतीक है। भारत के प्रधानमंत्री ने बरिसा मुंडा के सम्मान में एक स्मारक सक्िका तथा डाक टकित जारी कयि, जो उनकी स्थायी वरिसत को श्रद्धांजलि देता है।

जनजातीय गौरव दविस क्या है?

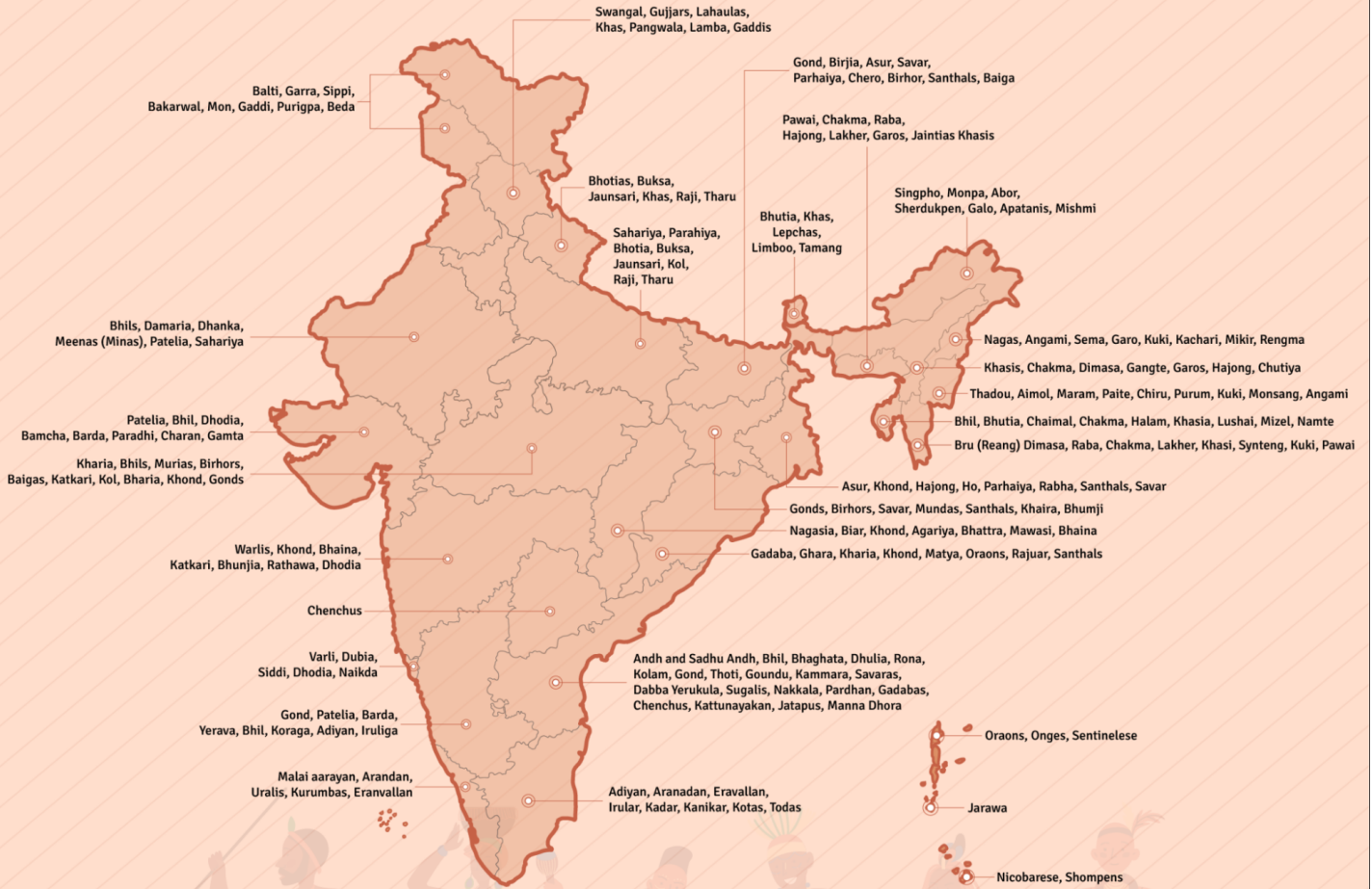
- पृष्ठभूमि:** पहली बार वर्ष 2021 में मनाया जाने वाला यह दविस [भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष](#) पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले [आज़ादी का अमृत महोत्सव](#) के हसिसे के रूप में आदविसी स्वतंत्रता सेनानयिों के बलदिान को मान्यता देने के लयि स्थापति कयि गया था।
 - [संथाल](#), [तमाड](#), [भील](#), [खासी](#) और [मज्जि](#) सहति जनजातीय समुदायों ने [बरिसा मुंडा के उलगुलान \(करांती\)](#) जैसे अनेक उपनविश-वरिधी आंदोलनों का नेतृत्व कयि, जसिमें उल्लेखनीय साहस और बलदिान का प्रदर्शन कयि गया।
- जातीय गौरव दविस 2024 की मुख्य वशेषताएँ:**
 - PM-JANMAN:** प्रधानमंत्री ने [प्रधानमंत्री जनजाति आदविसी न्याय महाअभयान \(PM-JANMAN\)](#) के तहत 11,000 घरों के उद्घाटन में भाग लयि।
 - दूरदराज के आदविसी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच में सुधार के लयि 23 [मोबाइल मेडिकल यूनिट \(Mobile Medical Units- MMU\)](#) शुरू की गईं।
 - DAJGUA:** [धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभयान \(Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan-DAJGUA\)](#) के तहत अतरिकित 30 एमएमयू का उद्घाटन कयि गया।
 - जनजातीय उद्यमति और शक्िका:** प्रधानमंत्री ने जनजातीय छात्रों के लयि 300 [वन धन वकिस केंद्रों \(Van Dhan Vikas Kendras- VDK\)](#) और 10 [एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालयों \(Eklavya Model Residential Schools- EMRS\)](#) का उद्घाटन कयि, साथ ही 25 और EMRS की आधारशलि भी रखी।
 - सांस्कृतिक संरक्षण:** मध्य प्रदेश के छदिवाड़ा और जबलपुर में दो जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों का उद्घाटन कयि गया साथ ही जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर तथा सक्िकमि के गंगटोक में दो [जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का भी उद्घाटन कयि गया।](#)



बरिसा मुंडा कौन थे?

- **प्रारंभिक जीवन:** बरिसा मुंडा का जन्म **15 नवंबर, 1875** को हुआ, वे **छोटा नागपुर पठार** की मुंडा जनजाति से संबंधित थे।
 - बचपन में उन्होंने अपने माता-पिता के साथ गाँवों के बीच घूमते हुए **आदवासी समुदायों के समक्ष आने वाली चुनौतियों** का प्रत्यक्ष अनुभव किया।
- **बरिसाइट संप्रदाय के संस्थापक:** मुंडा ने **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन** के तहत **जनजातीय लोगों को धर्मांतरण करने के मशिनरी प्रयासों** के बारे में संज्ञान लिया।
 - बरिसा मुंडा ने **बरिसाइट संप्रदाय की स्थापना की**, जिसका उद्देश्य आदवासी पहचान को पुनर्जीवित करना तथा धर्मांतरण का विरोध करना था।
 - **इन्होंने मुंडा और उरांव समुदायों (झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में रहने वाले जनजातीय समूह) को औपनिवेशिक और मशिनरी नियंत्रण के खिलाफ एकजुट किया।**
- **जनजातीय लामबंदी में भूमिका:** वर्ष **1886** से 1890 तक **झारखंड के चाईबासा** में वह **सरदारों के आंदोलन** से प्रभावित हुए।
- वह **ब्रिटिश वसिधी और मशिनरी वसिधी गतिविधियों में गहराई से शामिल हुए**, जिससे **आदवासी अधिकारों के लिये लड़ने का उनका संकल्प मज़बूत हुआ।**
 - इन्होंने ब्रिटिशों को चुनौती देने के साथ जनजातीय भूमि तथा संस्कृति की रक्षा के लिये जनजातीय समुदायों को संगठित किया।
 - वर्ष 1899 में उन्होंने **उलगुलान (महान कोलाहल) आंदोलन शुरू किया**, जिसमें ब्रिटिश सत्ता का विरोध करने और "बरिसा राज" के रूप में ज्ञात एक स्वशासित आदवासी राज्य की स्थापना को बढ़ावा देने के क्रम में गुरलिला युद्ध रणनीतिको अपनाया गया था।
- **गरिफ्तारी और मृत्यु:** वर्ष **1900** में ब्रिटिश पुलिस द्वारा **जामकोपाई जंगल** में उन्हें उनके गुरलिला समूह के साथ गरिफ्तार किया गया।
 - **9 जून 1900** को 25 वर्ष की अल्पायु में **राँची जेल** में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई।
- **विरासत:** उन्हें **औपनिवेशिक सरकार पर जनजातीय भूमि अधिकारों की रक्षा** हेतु कानून बनाने के लिये दबाव डालने के लिये जाना जाता है।
 - जनजातीय अधिकारों और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को सम्मान देते हुए वर्ष **2000** में उनकी जयंती पर **झारखंड राज्य की स्थापना** की गई।

भारत में प्रमुख जनजातियाँ



- अनुसूचित जनजाति भारत की जनसंख्या का 8.6% है (जनगणना 2011)। मसौदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ दर्ज हैं।
- विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक असुरक्षित/सुभेद्य हैं। 75 सूचीबद्ध PVTGs में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।
- गोंड के बाद भील सबसे बड़ा आदिवासी समूह (भारत की कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी का 38% है)।
- भारत की सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- संघाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति है। संघालों की शासन प्रणाली, जिसे मांडी-परगना के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, लक्षद्वीप के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनार्ह जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- अनुच्छेद 275 अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष धन देने का प्रावधान करता है।

सरदारी आंदोलन

- सरदारी आंदोलन (1858-90) छोटानागपुर में सामाजिक-आर्थिक शोषण के खिलाफ एक प्रतिक्रिया थी, जो जबरन मज़दूरी (भखारियों) और बच्चों द्वारा अवैध करिया वृद्धि पर कृषि असंतोष से शुरू हुई थी। सरदारों के नेतृत्व में इस आंदोलन का उद्देश्य इन दमनकारी प्रथाओं का वरोध करना था।

भारत में प्रमुख जनजातीय विद्रोह (MAJOR TRIBAL REVOLTS IN INDIA)

जनजाति (विद्रोह)	क्षेत्र	वर्ष	प्रमुख नेता
पहाड़िया	राजमहल पहाड़ियाँ	1778	राजा जगन्नाथ
चुआर (जंगल महल विद्रोह)	जंगल महल (छोटा नागपुर और बंगाल के मैदान के बीच)	1798	दुर्जन/दुरजोल सिंह, माधब सिंह, राजा मोहन सिंह, लछमन सिंह
उरांव और मुंडा (तमाड़ विद्रोह)	तमाड़ (छोटानागपुर)	1798; 1914-15	भोलानाथ सहाय/सिंह (1798) जात्रा भगत, बलराम भगत (1914-15)
हो और मुंडा	सिंहभूम और रांची (छोटानागपुर क्षेत्र)	1820-37; 1890	परहाट के राजा (हो) बिरसा मुंडा (1890)
अहोम	असम	1828-30	गोमधर कोंवर
खासी	जयंतिया और गारो पहाड़ियों के बीच का पहाड़ी क्षेत्र	1830	नुनक्लो शासक - तीरथ सिंह
कोल	छोटानागपुर (रांची, सिंहभूम, हज़ारीबाग, पलामू)	1831	बुद्धो भगत
संथाल	राजमहल पहाड़ियाँ	1833; 1855-56	सिद्धु मुर्मू और कान्हू मुर्मू
खोंड	उड़ीसा, आंध्र प्रदेश	1837-56	चक्र बिश्नोई
कोया	पूर्वी गोदावरी ट्रैक (आंध्र) रंपा (आंध्र)	1879-80; 1886 1916; 22-24	तोमा सोरा, राजा अनंतय्यार अल्लूरी सीताराम राजू (रम्या विद्रोह)
भील	पश्चिमी घाट, खानदेश (महाराष्ट्र), दक्षिण राजस्थान	1817-19; 25; 31; 46 & 1913	गोविंद गुरु (1913 मनगढ़ नरसंहार)
गोंड	आदिलाबाद (तेलंगाना)	1940	कोमरम भीम

जनजातीय विकास को समर्थन देने वाली भारत की प्रमुख पहल क्या हैं?

■ वित्तीय एवं सामाजिक पहल:

- बुनयिादी ढाँचागत सुवधिएँ उपलब्ध कराने के लयि लगभग 36500 गाँवों की पहचान की गई है, जनिमें 50% जनजातीय आबादी और 500 अनुसूचति जनजाति (ST) हैं, जनिमें नीतिआयोग (राष्ट्रीय भारत परविरतन संस्थान) द्वारा पहचाने गए आकांक्षी ज़िलों के गाँव भी शामिल हैं।
- वित्तीय परतबिद्धताएँ: **केंद्रीय बजट ने 2024-25** में जनजातीय कार्य मंत्रालय को 13,000 करोड़ रुपए आवंटति कयि, जो वर्ष 2023-24 से 73.6% की वृद्धि दरशाता है।
- DAJGUA**: जनजातीय क्षेत्रों में सामाजकि बुनयिादी ढाँचे की कमी को दूर करने के लयि 79,156 करोड़ रुपए के परवियय के साथ शुरू की गई, जसिसे 63,843 गाँवों के 5.38 करोड़ से अधिकि लोग लाभान्वति होंगे।
- DAJGUA**: वर्ष 2023 में सवास्थय देखभाल, वित्तीय समावेशन और सामुदायकि समर्थन सहति लक्षति योजनाओं के साथ **प्रशिष रुप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** का समर्थन करने के लयि शुरू कयि गया।
- प्रधानमंत्री आदिआदर्श ग्राम योजना**: PMAAGY का उद्देश्य महत्त्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले गाँवों में बुनयिादी ढाँचा उपलब्ध कराना है।

■ शकिषा:

- EMRS**: दूरदराज के क्षेत्रों में अनुसूचति जनजाति के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शकिषा प्रदान करने के लयि स्थापति, शैक्षकि अंतराल को पाटने में मदद कराना।

- आदवासी शिक्षा ऋण योजना (ASRY): उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदवासी छात्रों के लिये आसान ऋण प्रदान करती है।
- जनजातीय छात्रों के लिये छात्रवृत्ति: छात्रवृत्ति में प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के लिये राष्ट्रीय वदेशी छात्रवृत्ति और उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता के लिये राष्ट्रीय फ़ैलोशिप शामिल हैं।
- आय सृजन योजनाएँ: सावधि ऋण योजना 90% तक व्यवसाय ऋण प्रदान करती है, आदवासी महिला सशक्तीकरण योजना उद्यमिता का समर्थन करने हेतु आदवासी महिलाओं के लिये रियायती ऋण प्रदान करती है और माइक्रो क्रेडिट योजना 5 लाख रुपए तक के ऋण के साथ आदवासी समूहों का समर्थन करती है।

■ **स्वास्थ्य एवं कल्याण पहल:**

- सिकिल सेल एनीमिया उनमूलन मशिन
- मशिन इंद्रधनुष
- नकिषय मतिर पहल
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन (NHM)
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

????? ???? ????:

प्रश्न: भारत के आदवासी समुदायों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में वभिन्न आदवासी समूहों के योगदान पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रलिमिस

प्रश्न. भारत में वशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के संबंध में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2019)

- PVTG 18 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में नवास करते हैं।
- स्थिर या कम होती जनसंख्या PVTG स्थिति निर्धारण के मानदंडों में से एक है।
- देश में अब तक 95 PVTG आधिकारिक तौर पर अधिसूचित हैं।
- PVTGs की सूची में ईरूलर और कोंडा रेड्डी जनजातियाँ शामिल की गई हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है?

- 1, 2 और 3
- 2, 3 और 4
- 1, 2 और 4
- 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति युगों पर वचिर कीजिये: (2013)

जनजाति	राज्य
1. लबू (लमिबू)	सक्किमि
2. कार्बी	हिमाचल प्रदेश
3. डोंगरिया कोंध	ओडिशा
4. बोंडा	तमलिनाडु

उपर्युक्त युगों में से कौन-सा सही सुमेलति है?

- केवल 1 और 3
- केवल 2 और 4
- केवल 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के प्रतभिदभाव को दूर करने के लिये राज्य द्वारा की गई दो प्रमुख वधिकि पहलें क्या हैं? (2017)

